Publication: Rashtriya Sahara
Date: June 03, 2022

मदर डेयरी का 2023-24 तक 'प्लास्टिक वेस्ट न्यूट्रल कंपनी' बनने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एसएनबी)। देश की प्रमुख दुग्ध उत्पाद कंपनी मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्रा. लि. ने वित्त वर्ष 2023-24 तक 'प्लास्टिक वेस्ट न्यूट्रल कंपनी' बनने का संकल्प लेते हुए स्वच्छ वातावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिसके तहत कंपनी उतने मात्रा में प्लास्टिक व्यर्थ को इकट्ठा और रीसायकल/को प्रोसेस करेगी जितना इसके उत्पादों के पैकेजिंग में सालाना उपयोग होता है।

> जून 2018 से मार्च 2022 तक 8,164 मीट्रिक टन प्लास्टिक वेस्ट को रीसायकल/को-प्रोसेस किया

इस उपलब्धि को हासिल करने के अपने प्रयास में, कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के अंत तक 7,000 मीट्रिक टन से अधिक उपभोक्ताओं द्वारा इस्तेमाल किए जा चुके प्लास्टिक व्यर्थ को रीसायकल/कोप्रोसेस करने का लक्ष्य रखा है।जून 2018 से मार्च 2022 तक कंपनी ने अपने संबद्ध भागीदारों के माध्यम से लगभग 8,164 मीट्रिक टन प्लास्टिक व्यर्थ (5,318 मीट्रिक टन सिंगल लेयर्ड प्लास्टिक व्यर्थ और 2,846 मीट्रिक टन मल्टी लेयर्ड प्लास्टिक व्यर्थ) को इकट्ठा कर रीसायकल/कोप्रोसेस किया है। मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्रा. लि के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने कहा कि एक जिम्मेदार संगठन के रूप में, हम एक बेहतर कल के लिए एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इस तथ्य का प्रमाण 1984 से हमारा टोकन दूध है, जो हर साल पर्यावरण में आने वाले लगभग 7 लाख किलोग्राम प्लास्टिक को बचाने में हमारी मदद करता है। अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हमने अब आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने ग्रह को सुरक्षित बनाने की दिशा में योगदान करते हुए, तक एक प्लास्टिक बेस्ट न्यूट्रल कंपनी बनने का लक्ष्य रखा है।